सतगुरु माता सविंदर, हम भूलें ना उपकार

तर्ज : तुमसे बढ़कर दुनिया में, न देखा कोई और, जुबान पे, आज दिल की बात आ गई

सतगुरु माता सविंदर, |2|. हम भूलें ना उपकार

जहाँ मे, सबसे करे हम प्यार ।।ध्रुव।।

कमल की भाँति खिलते जायें

कन्धे से कन्धा मिलाये

ढक जायें सारे अवगुण सभी के

गुण ही गुण देखें सभी मे |2|

सबका करें सत्कार

जहाँ मे, सबसे करें हम प्यार ----------

सिमरन को ढ़ाल बनायें

भाणे मे हम रह पायें

करते जाये हम तेरा शुकराना

भाणे मे हम रह पाये

निरंकार का लें आधार |2| जीवन गुरुमत अनुसार

जहाँ मे, सबसे करें हम प्यार ----------

गुरु के वचनो पे चलें हम

किन्तु परन्तु ना करें हम

रब्ब का है, फरमान ईलाही ये तो

किन्तु परन्तु ना करें हम |

गोपी दिलवर भगवन हम , बने रोशन मीनार

जहाँ मे, सबसे करें हम प्यार

सत्गुरु माता सविंदर |2|, हम भूलें ना उपकार

जहाँ मे, सबसे करें हम प्यार ---------